

Andante pastorale

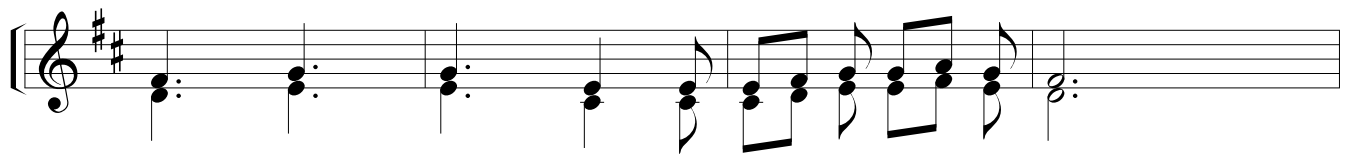
劉超賢



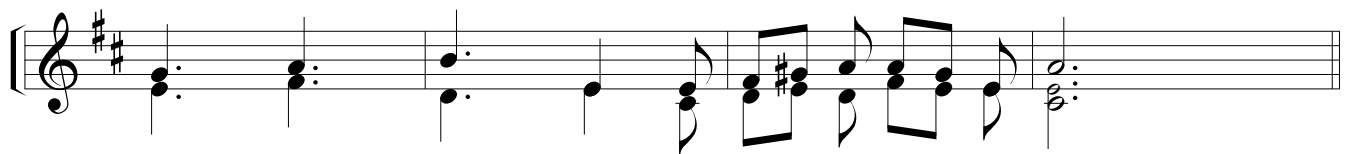
(重句) 我 奔 向 主 台 前， 求 主 聽 我 禱 告；



我 本 一 無 所 有 竟 成 一 無 所 缺。



- | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|----|---|---|---|---|---|----|
| 1 | 活 | 於 | 主 | 懷， | 淡 | 漠 | 卻 | 似 | 陌 | 路； |
| 2 | 救 | 主 | 寬 | 待， | 時 | 常 | 銘 | 感 | 五 | 內； |
| 3 | 信 | 心 | 希 | 望， | 全 | 賴 | 救 | 主 | 鞏 | 固； |
| 4 | 善 | 作 | 抉 | 擇， | 全 | 憑 | 救 | 主 | 訓 | 誨； |
| 5 | 靠 | 主 | 啟 | 迪， | 漠 | 視 | 世 | 態 | 變 | 幻； |
| 6 | 自 | 愛 | 愛 | 人， | 服 | 務 | 捨 | 己 | 作 | 證； |
| 7 | 願 | 作 | 婢 | 僕， | 承 | 行 | 我 | 主 | 聖 | 意； |



- | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|----|---|---|---|---|---|----|------|
| 1 | 未 | 棄 | 我 | 貧， | 迎 | 迓 | 厚 | 愛 | 如 | 賓。 | (重句) |
| 2 | 獻 | 我 | 心 | 靈， | 恆 | 常 | 頌 | 主 | 慈 | 恩。 | (重句) |
| 3 | 面 | 向 | 將 | 來， | 無 | 懼 | 今 | 生 | 煩 | 憂。 | (重句) |
| 4 | 俗 | 世 | 清 | 流， | 唯 | 以 | 基 | 督 | 為 | 楷。 | (重句) |
| 5 | 好 | 施 | 安 | 貧， | 崇 | 尚 | 真 | 福 | 為 | 宗。 | (重句) |
| 6 | 入 | 聖 | 超 | 凡， | 唯 | 望 | 顯 | 主 | 榮 | 光。 | (重句) |
| 7 | 愈 | 顯 | 主 | 榮， | 期 | 待 | 修 | 德 | 圓 | 滿。 | (重句) |